कक्षा 12

4. अवशेषी अंगों के प्रमाण

प्राणियों में पाए जाने वाले अनुपयोगी अंगों को अवशेषी अंग कहा जाता है। यह माना जाता है कि ये अवशेषी अंग इनके पूर्वजों में सक्रिय अवस्था में पाए जाते हैं। अवशेषी अंगों का जैव विकास में महत्वपूर्ण प्रमाण है। इसके निम्नलिखित उदाहरण हमें मिलते हैं जैसे–

कृमिरूपी परिशेषिका

निमेषक पटल

अक्ल दाढ़

कक्षा 12

कर्ण पल्लव की पेशिया

पुच्छ कशेरूकाएँ

त्वचा पर बाल

5. संयोजक कडियों के प्रमाण

एसे जन्तु जिनमें दो वर्गों या संघों के लक्षण पाए जाते हैं। इन दोनों वर्गों या संघों के बीच की संयोजक कडिया कहलाते हैं।

जैसे–

वाइरस

कक्षा 12

युग्लिना – पादप व जन्तु

पैरीपेटस – एनेलिडा व आर्थोपोडा संघ

आर्किओप्टेरिक्स – पक्षी वर्ग व सरीसृप वर्ग

समुरिया - एम्फीबियन व सरीसर्प

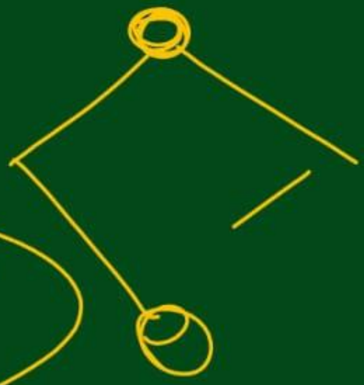

6. तुलनात्मक भ्रोणिकी के प्रमाण

भ्रूण के प्रमाण

(i) भ्रूण में पहले सामान्य लक्षण व बाद में विशिष्ट लक्षण प्रकट होते हैं।

(ii) जाति के विशिष्ट लक्षण सबसे बाद में प्रकट होते हैं।

कक्षा 12

(iii) जन्तु अपनी भ्रूणावस्था में अपनी पूर्वज जाति की भ्रूणावस्था को दोहराते हैं।

7. पूर्वजता से प्रमाण

जीवों में कभी–कभी ऐसे गुण उत्पन्न हो जाते हैं जो वर्तमान जाति के लक्षण नहीं होते हैं। वे पूर्वज जाति में पाए जाते थे। जैसे– कभी–कभी मनुष्य के बच्चे में पूँछ का उत्पन्न होना, कभी–कभी मनुष्य के शरीर पर कपियों के समान घने बाल होना।

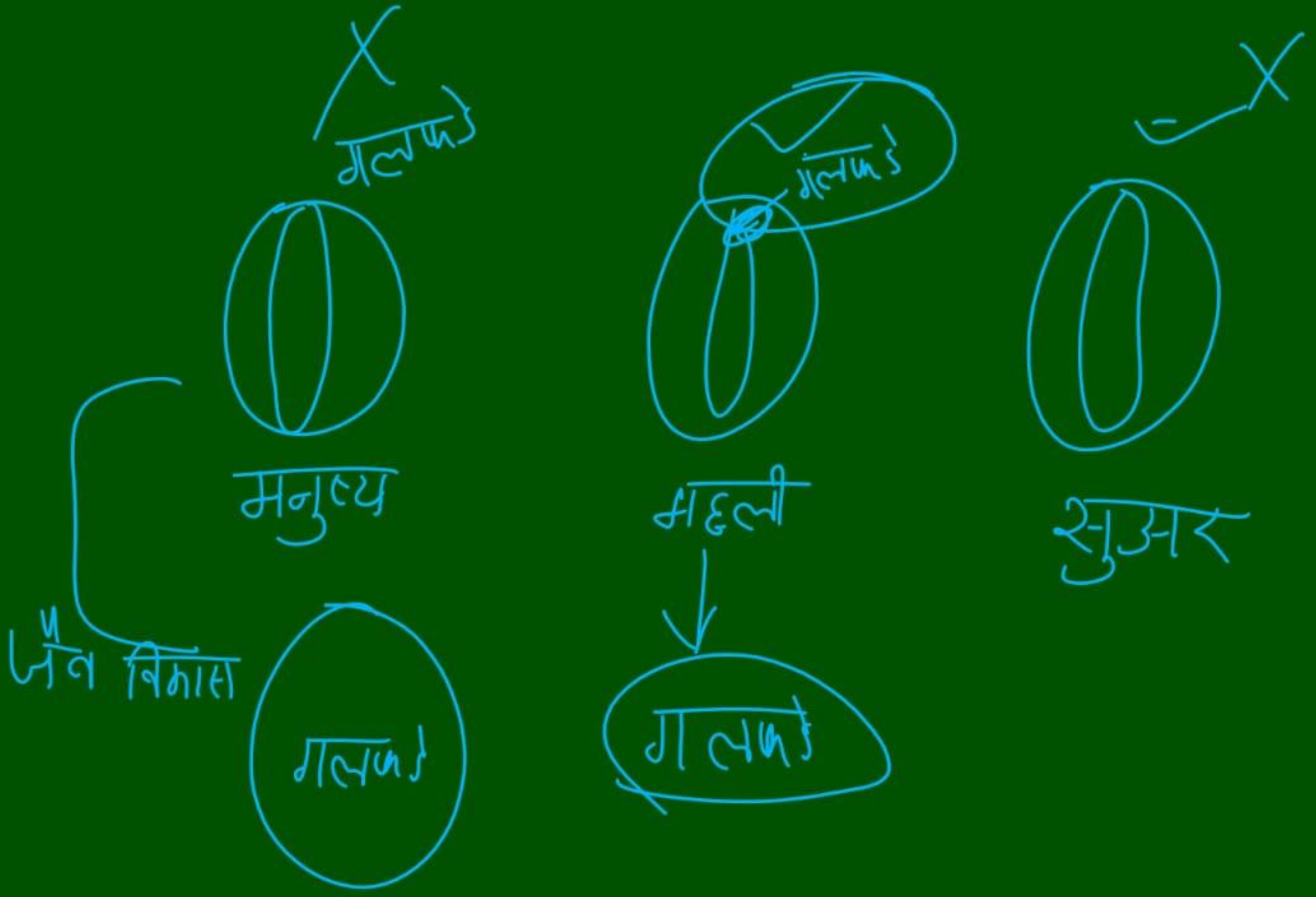
गलफड़े
गलफड़े
मनुष्य
मछली
सुअर
जैव विकास
गलफड़े
गलफड़े

विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्।

धन्यवाद